Dainik Bhaskar (Indore), 09th February 2022, Front Page – plus 02

संस्थान को मिला 11वां पेटेंट

IIT ने सेमी कंडक्टर चिप से जुड़ी नई खोज की

भास्कर संवाददाता. इंदौर | आईआईटी इंदौर ने अपने नाम एक और पेटेंट दर्ज किया है। संस्थान के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. संतोष विश्वकर्मा और 2016 में आईआईटी से पीएचडी कर चुके डॉ. विकास विजयवर्गीय ने हाई परफॉर्मेंस डबल गेट टनल फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर फॉर लो पॉवर एप्लीकेशन नामक अविष्कार के लिए पेटेंट फाइल किया था। इसे सरकार के पेटेंट कार्यालय से मान्यता मिल चुकी है। यह अविष्कार कम्प्यूटर, मोबाइल में लगने वाली सेमी कंडक्टर चिप के फंडामेंटल डिवाइस के लो पॉवर का नया वर्जन है। प्रो. संतोष विश्वकर्मा ने बताया 50-60 साल से लेकर अब तक सेमी कंडक्टर के जो चिप बन रहे हैं, उनका फंडामेंटल डिवाइस एक मोस्फेट चिप होता है। इनमें छोटे से चिप में ज्यादा फंक्शन परफॉर्म होते हैं जिस कारण ज्यादा से ज्यादा ऑपरेशन कर सकते हैं लेकिन इस वजह से पॉवर कंजप्शन भी ज्यादा होता हैं। टनल फील्ड एक ऐसा डिवाइस है, जिसमें ज्यादा ऑपरेशन फंक्शन के साथ पॉवर कंजप्शन कम होता है।